



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)  
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 522] नई दिल्ली, शुक्रवार, नवम्बर 12, 1982/कार्तिक 21, 1904  
No. 522] NEW DELHI, FRIDAY, NOVEMBER 12, 1982/KARTIKA 21 1904

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate  
compilation

उद्योग मंत्रालय

(सारी उद्योग विभाग)

आदेश

नई दिल्ली, 10 अक्टूबर, 1982

का० आ० 801(अ).--उद्योग (विकास तथा विनियमन) अधिनियम, 1951 (1951 का 65) की धारा 18 छ द्वारा प्रदत्त शक्तियाँ का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जो पहिये वाले वाहन (पुन. विक्रय पर निर्बन्धन) आदेश, 1981 से निम्नलिखित संशोधन करता है, अर्थात्:--

1. (1) इस आदेश का नाम जो पहिये वाले वाहन (पुन. विक्रय पर निर्बन्धन) संशोधन आदेश, 1982 है।

(2) यह राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख को प्रवृत्त होगा।

2. दो पहिए वाले वाहन (पुनः विक्रय पर निर्बंधन) आदेश, 1981 में :—

(क) खण्ड 2 में—

(i) मद (1) के स्थान पर निम्नलिखित मध ररख जायेग ; रररररः—

“(1) ‘दो पहिये वाले वाहन’ से कोई रर शरररररररररर दो पहिए वाला वाहन ररररर है जिसका निर्माण या संररकन भारत में पुर्णतः या भारत आयातित हिस्से पुर्णतः से किया गया है और इसके अन्तर्गत ऐसे वर्णन का प्रत्येक मोटर वाहन है, आड़े उसका नाम स्कूटर, स्कूटरेट, मोटर साइकिल, मिनी-मोटर साइकिल, मोपेड है अथवा आड़े कोई अन्य नाम है।”

(ii) मद (4) लुप्त कर रर जायेग ।

(ख) अनुसूचि लुप्त कर रर जायेग ।

[सं० 7 (40)/81-ए ई आई (I)]

मुनीश गुप्त, संयुक्त सचिव

टिप्पणः—मूल “दो पहिये वाले वाहन (पुनः विक्रय पर निर्बंधन) आदेश, 1981” को भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II खण्ड 3 उपखण्ड (ii) में 6 अक्तूबर, 1981 को का० आ० सं० 755 (अ) के अन्तर्गत प्रकाशित किया गया था। [फाइल सं० 7-40/81-ए ई आई (1)]।

## MINISTRY OF INDUSTRY

(Department of Heavy Industry)

### ORDER

New Delhi, the 10th November, 1982

**S.O. 801(E).**—In exercise of the powers conferred by section 18G of the Industries (Development and Regulation) Act, 1951 (65 of 1951), the Central Government hereby makes the following amendment to the Two Wheeler Vehicles (Restrictions on Re-sale) Order, 1981 namely :—

1. (1) This order may be called the Two Wheeled Vehicles (Restriction on Re-sale) Amendment Order, 1982.

(2) It shall come into force on the date of its publication in the Official Gazette.

2. In the Two Wheeler Vehicles (Restriction on Re-sale) Order, 1981—

(a) in Clause 2,—

(i) for item (1) the following item shall be substituted, namely :—

“(1) ‘two wheeler vehicle’ means any powered two wheeler manufactured or assembled in India from imported components wholly or partly and includes every such description of motor vehicles, whether called a scooter, scooterette, motor-cycle, mini-motor cycle, moped or by any other name.”

- (ii) Item (4) shall be omitted.
- (b) the Schedule shall be omitted.

[No. 7(40)/81-AFI(I)]

M. C. GUPTA, Jt. Secy.

NOTE :—Original "Two Wheeler Vehicles (Restriction on Re-sale) Order, 1981" published in the Gazette of India Extraordinary in Part II—Section 3-Sub-section (ii) on 6th October, 1981 vide S.O. 735(E). [File No. 7-40/81-AFI(I)].

